इक लहरी दार घूंघट माथे पे डाल के शिव भजन लिरिक्स

इक लहरी दार घूंघट,
माथे पे डाल के,
भोले बन गये जनाना,
घुंघटा निकाल के,
भोले बन गये जनाना,
घुंघटा निकाल के।bd।

तर्ज – ये गोटेदार।

बिच्छू बाला कान में डाला,
गले मुंड की माला,
गले मुंड की माला,
कमर करधनां कसके बांधा,
नाग वो काला काला,
नाग वो काला काला,
सर्पों को रखेंगे प्यारी,
कौंछे में सम्भाल के,
भोले बन गये जनाना,
घुंघटा निकाल के।bd।

सब कुछ तुमने छुपा लिया,
कहाँ छुपे गंग का पानी,
कहाँ छुपे गंग का पानी,
छुपा सकोगे तुम प्रियतम ना,
ये मरदानी वानी,
ये मरदानी वानी,
पकड़े ना जाओ स्वामी,
मरदानी चाल से,
भोले बन गये जनाना,
घुंघटा निकाल के।bd।

नटवर पलट दिया घूंघट तो,
तब भोले मुस्काये,
तब भोले मुस्काये,
यहीं से शिवशंकर भोले हैं,
गोपेश्वर कहलाये,
गोपेश्वर कहलाये,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

मथुरा में पुजते भोले,
गोपेश्वर नाम से,
भोले बन गये जनाना,
घुंघटा निकाल के।bd।

इक लहरी दार घूंघट,
माथे पे डाल के,
भोले बन गये जनाना,
घुंघटा निकाल के,
भोले बन गये जनाना,
घुंघटा निकाल के।bd।

– गायक / प्रेषक –
भगवत् रसिक धीरज कुमार गोस्वामी।
9675791222

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com